वर्ष 2004-2005 की हिन्दी रिपोर्ट

जल संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन कार्यरत यह स्वायत शासी संस्था 'राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान' अपने स्थापना काल से ही अपने संवैधानिक दायित्वों का भली भाँति निर्वहन करता आ रहा है। राजभाषा हिन्दी को भारतीय संविधान के अनुच्छेद 343 के अनुसार राजभाषा का दर्जा दिया गया है। अतः संस्थान राजभाषा हिन्दी के प्रयोग, प्रचार-प्रसार तथा विकास के प्रति सदैव सजग रहा है। इसका प्रमाण इस बात से देखा जा सकता है कि जल संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संस्थान को लगातार दो बार वर्ष 2001-2002 तथा 2002-2003 में राजभाषा वैजयन्ती पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। वर्ष 2003-2004 के लिए भी संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा.ए.के. भार को अहिन्दी भाषी क्षेत्र के अधिकारी के रूप में सर्वाधिक कार्य करने के लिए जल संसाधन मंत्रालय के माननीय सचिव द्वारा सम्मानित किया गया है।

संस्थान में 80 प्रतिशत से अधिक अधिकारियों/कर्मचारियों को हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त है जिसके लिए उसे राजपत्र में अधिसूचित किया गया है। संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राजभाषा हिन्दी के प्रयोग, प्रचार-प्रसार व विकास की ओर प्रेरित करने के लिए संस्थान में समय - समय पर हिन्दी कार्यशालाएं आयोजित की जाती हैं। विगत कार्यशाला 20-5-2005 को आयोजित की गई थी जिसमें कुल 23 कर्मचारियों ने भाग लिया। संस्थान में सरकार की राजभाषा नीति का अनुपालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से "हिंदी में सर्वाधिक कार्य" करने संबंधी प्रोत्साहन योजना तथा डिक्टेशन योजना आदि प्रोत्साहन योजनाएं लागू की गई हैं। "हिंदी में सर्वाधिक कार्य" प्रोत्साहन योजना के तहत तीन कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया है। इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर संस्थान के निदेशक महोदय द्वारा वर्ष 2004-2005 के लिए हिन्दी प्रकोष्ठ के दो कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट कार्यो के लिए पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

संस्थान की हिन्दी गतिविधियों की समीक्षा तथा राजभाषा हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए कारगर उपाय हेतु संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें नियमित रूप से बुलाई जाती है, जिस पर राजभाषा हिन्दी के कार्यान्वयन आदि विषयों के सम्पूर्ण पहलुओं पर व्यापक चर्चा की जाती है तथा महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाते हैं। इस वर्ष प्रभारी अधिकारी, हिन्दी प्रकोष्ठ द्वारा संस्थान के क्षेत्रीय केन्द्रों का राजभाषा हिंदी के प्रयोग के संबंध

में निरीक्षण किया गया तथा इन केंद्रों में हो रहे विभिन्न हिन्दी कार्यो की समीक्षा की गई एवं हिन्दी कार्यो को बढ़ावा दिए जाने के उपाय सुझाये गये।

संस्थान में वर्ष के दौरान दिनांक 14 से 28 सितम्बर 2004 तक हिन्दी पखवाड़ा बडे हर्षोउल्लास से मनाया गया जिसमें हिन्दी की कुल 10 प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। इन सभी प्रतियोगिताओं में संस्थान के सभी कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

संस्थान हर वर्ष "प्रवाहिनी" नामक हिन्दी पत्रिका का प्रकाशन करता है जिसमें संस्थान के पदाधिकारियों, कर्मचारियों तथा उनके परिवारजनों के अलावा बाहर के व्यक्तियों के भी लेख आदि प्रकाशित किए जाते हैं। विगत वर्ष संस्थान ने अपनी उक्त हिन्दी पत्रिका "प्रवाहिनी" के 11 वें अंक का प्रकाशन किया जिसका विमोचन हिन्दी पखवाड़े के दौरान किया गया। इसके अतिरिक्त हिंदी प्रकोष्ठ के सहयोग से संस्थान की वर्ष 2003-2004 की वार्षिक रिपोर्ट का हिंदी संस्करण प्रकाशित किया गया। संस्थान में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2003-2004 के आयोजन के दौरान हिंदी में स्लोगन आदि प्रदर्शित किए गए।

संस्थान राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय , भारत सरकार द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम के अनुरूप अपनी गतिविधियाँ आयोजित करता है तथा इसमें निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए हर संभव प्रयास करता है।

हमें आशा है कि संस्थान राजभाषा हिन्दी के प्रयोग में अभिवृद्धि सुनिश्चित करने के लिए और भी उल्लेखनीय कार्य करेगा तथा हिन्दी के प्रयोग , प्रचार-प्रसार एवं विकास के लिए राजभाषा विभाग ,गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने के हर संभव प्रयास करेगा।